अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक – 195 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ शुक्रवार 15 अक्टूबर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

कप्तान अविनाश पांडेय के निर्देश पर चला चेकिंग अभियान

उन्नाव। दही थाना प्रभारी दल बल के साथ आवास विकास कॉलोनी चौराहे पर मुस्तैदअवध की आवाज हिंदी दैनिक समाचार पत्र लखनऊ से प्रकाशित ब्यूरो चीफ गुड्डू मिश्रा के साथ संवाददाता मनोज गुप्ता की रिपोर्ट

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। मां मातेश्वरी विद्या मंदिर नौगांवा बंथर उन्नाव में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी माता रानी की झांकी का आयोजन किया गया जोकि झांकी नौगांवा गांव से होकर बन्थर वा आटा हो कर मां मातेश्वरी मंदिर पहुंची वहां पर भंडारे का आयोजन हुआ।

उन्नाव। नेशनल हाईवे रोड पर दिनांक 14 अगस्त को लगा जाम त्रिभुवन खेड़ा चौराहा से लेकर गंगापुर तक लोगों को रास्ते में मरीज ले जाते समय उठाना पड़ा है मुसीबत का सामना।

लखीमपुर कांड के चारों आरोपियों को पुलिस घटनास्थल पर ले गयी

लखीमपुर खीरी (वेब वार्ता)। तिकोनिया हिंसा कांड की जांच कर रही एसआईटी (विशेष जांच दल) बश्हस्पतिवार को आशीष मिश्रा मोनू और तीन अन्य आरोपियों को लेकर तीन अक्टूबर को हुई घटना का रीक्रिएशन कराने घटनास्थल पर पहुंची। इस हिंसा में चार किसानों और एक पत्रकार सहित आठ लोगों की मौत हो गयी थी।

सिपाही से रंगदारी वसूलने की कोशिश करने वाली महिला गिरफ्तार

प्रतापगढ (वेब वार्ता)। जौनपुर जिले की एक महिला को प्रतापगढ़ पुलिस ने एक कांस्टेबल से रंगदारी मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया है। बुधवार को गिरफ्तार की गई आरोपी महिला कांस्टेबल को धमकी देकर ब्लैकमेल कर रही थी कि पैसे नहीं देने पर वह उसके खिलाफ झूठे आरोप गढ़ेगी।के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मातृशक्ति की आराधना हमारे देश की संस्कृति : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर के नवनिर्मित अन्न क्षेत्र (भवन) में पूरे विधि–विधान के साथ परंपरागत कन्या पूजन किया। उन्होंने मां भगवती के नौ स्वरूपों की प्रतीक नौ कन्याओं और एक बटुक भैरव की पहले पूजा–अर्चना की, उसके बाद अपने हाथों से भोजन कराकर दक्षिणा के साथ उनकी विदाई की। इस दौरान मंदिर में पहुंची अन्य कन्याओं को भी उसी श्रद्धाभाव से भोजन कराया गया और विदाई की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृशक्ति की आराधना हमारे देश की संस्कृति है। इसीलिए नवरात्र के नवें दिन कन्या पूजन का विधान है। कन्या पूजन का समय दोपहर 12 बजे निर्धारित

था, सो निर्धारित समय से पहले ही मंदिर की ओर से आमंत्रित कन्याएं पूजन स्थल पर पहुंच गईं। मुख्यमंत्री के पहुंचने के साथ पूजन प्रक्रिया शुरू हुई। सबसे पहले उन्होंने बारी–बारी से थार में नौ कन्याओं और एक बटुक भैरव को खड़ा कर उनका पांव पखारा। उसके बाद टीका लगाकर चुनरी ओढ़ाई और आरती उतारी। पूजा के बाद कन्या भोज का कार्यक्रम शुरू हुआ। मुख्यमंत्री एक–एक सभी कन्याओं के पास गए और उनकी थाली में अपने हाथों से भोजन परोसा और बाकायदा पूछ–पूछ कर खिलाया। इस दौरान वह बच्चों को दुलराते भी रहे। भोजन के बाद मुख्यमंत्री ने सभी कन्याओं की अपने हाथ से दक्षिणा देकर सम्मान के साथ विदा किया।

डैंगू बुखार और वायरल का कहर अव गाँवों मे मौत का सिलसिला जारी

फिरोजाबाद (वेब वार्ता)। फिरोजाबाद जिले में डेंगू बुखार और वायरल शहरी क्षेत्रों में जरूर कम हुआ है किंतु ग्रामीण क्षेत्रों में बराबर बढ़ता जा रहा है समय पर मरीजों को उचित उपचार ना मिलने के कारण मरीजों की मोत भी हो रही है। फिरोजाबाद जिले में डेंगू बुखार वायरल का प्रकोप करीब 2 महीने से चल रहा है किंतु शासन प्रशासन के काफी प्रयास के बावजूद अभी तक बीमारी पर कंट्रोल नहीं हो पाया है शहरी क्षेत्र में मरीजो की संख्या जरूर कम हुई है मगर ग्रामीण क्षेत्रों में अभी बुखार वायरल के मरीज बराबर निकल रहे हैं किंतु ग्रामीण क्षेत्रों के स्वास्थ्य केंद्र पर इलाज की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण मरीज परेशान है शासन के कड़े निर्देश की बावजूद अनेक स्वास्थ्य केंद्र पर डॉक्टर उपलब्ध नहीं मरीजों को प्राइवेट डॉक्टरों पर इलाज के लिए जाना पड़ रहा है मेडिकल कॉलेज मे गुरुवार को कुल मरीजों की संख्या 130 थी जबकि नए मरीज 30 भर्ती किए गए मंगलवार की रात को एक मरीज कुंदन पुत्र सतीश कुमार की इंजेक्शन लगने के बाद पेट फूलने से मौत हो गई मरीज के परिजनों द्वारा काफी हंगामा काटा गया जिनको पुलिस के द्वारा मेडिकल कॉलेज परिसर से बाहर कर दिया गया जबकि परिजन डॉक्टरों पर उपचार में लापरवाही का आरोप लगा रहे मेडिकल कॉलेज में ऐसे अनेक मामले सामने आए किंतु की कोई सुनवाई नहीं हुई शिकोहाबाद के सरकारी अस्पताल में मरीजों की संख्या 162 है गुरुवार को नए 77 मरीज भर्ती किए गए संक्रामक बीमारी का प्रकोप शिकोहाबाद और सिरसागंज क्षेत्र में अधिक होने की वजह से शिकोहाबाद अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ रही है किंतु डॉक्टरों की कमी के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जिले में पिछले सप्ताह मरीजों की मौत पर कुछ नियंत्रण हुआ था सोमवार, मंगलवार और बुधवार में करीब 15 मरीजों कढी मौत के कारण चिंता बढ़ गई है ग्रामीण क्षेत्रों में सही तरीके से साफ सफाई नहीं होने की शिकायतें भी मिल रही है।

युवा सपा नेता राहुल शुक्ला ने क्षेत्र के सभी स्थलों पर पहुंचकर, मां के दरबार में माथा टेका, मागा आशीर्वाद माँगा

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। समाजवादी पार्टी की पूर्व विधायिका श्री मति नन्दिता शुक्ला के सुपुत्र राहुल शुक्ला इस बार होने वाले विधान सभा चुनाव में मेहनवन की सीट से समाजवादी पार्टी के प्रबल दावेदार हैं। नवरात्रि के पावन अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के तकरीबन सभी पूजा स्थलों का भ्रमण कर जन सम्पर्क किया एवं माँ दुर्गा से समाने मत्था तन्मयता से जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए काम करूँगा, उन्होंने ग्राम सभा डेबरी कलां, ढुढाव, बनकटी, तिनोहना, सांगीपुर, दुर्जनपुर माफी, पिपरा लालच, पण्डित पुरवा, तिवारी पुरवा, शीरपुरवा में माता रानी के

टेक कर आशीर्वाद माँगा। इस मौके पर उन्होंने पूर्ण आत्म विश्वास के साथ कहा जिनको प्रचार करना है वो करें इस बात दे उन्हें कोई दिक्कत नही है मेहनवन की सीट उनको टिकट मिलना तय है, उन्हें अपने पिता स्वर्गीय श्री घनश्याम शुक्ला की स्मृति की याद दिलाते हुए उपस्थित जन समूह से कहा की मेरे पिता ने मेहनवन की भलाई के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया जनता का आशीर्वाद मिला तो अपने पिता की तरह पुरी दरबार में हाजिरी लगाई जहां लोगों ने उनका स्वागत तथा अभिनन्द करते हुए समर्थन स्वरुप आशीर्वाद दिया है। उनके साथ सत्य नारायण, अखिलेश वर्मा, मौर्या टेलर, विकास तिवारी, फौजदार तिवारी, राम कृपाल तिवारी, अवधेश तिवारी, मनोज मास्टर, उमंग मिश्रा, सुरेश तिवारी, राम बहोर, गुड़फु ओझा, महंगी नेता, मुरली, राजेन्द्र, पप्पू नेता सहित दर्जनों लोग साथ रहे।

कदौरा ब्लाक में नरेगा योजना से पक्के सीसी कार्य मे खुला धांधली ,बीडीओ बने अनजान

बीडीओ व पू सस्पेंड सचिब फोन पर नही दे पाए कार्य योजना की जानकारी

अवध की आवाज

कदौरा/जालौन। सरकार की ग्राम पंचायतों के विकास रूप देने के लिए विकास योजनाएं खुले आम भृस्टाचार व कमीशन की भेंट चढ़ रही है नरेगा योजना के तहत बीडीओ द्वारा पास सीसी निर्माण में घटिया सामग्री का निर्माण खुलेआम किया जा रहा है जिससे कुपित ग्रामीणों द्वारा आपत्ति लगाते हुए शिकायत करने की बात कही गयी मोटे कमीशन के चलते उक्त घटिया निर्माण को लेकर शिकायत की बात कही गयी उक्त निर्माण को लेकर जब ग्राम पंचायत सचिव सिकन्दर सिंह जो कि पूर्व में लापरवाही के चलते सस्पेंड हो चुके है से पूछा गया तो उन्होंने अनभिज्ञ बनते हुए कहा कि लागत व माप की जानकारी नही है ब्लाक अधिकारी से पूँछ लो वही बीडीओ अश्वनी सिंह द्वारा भी अनभिज्ञता जाहिर करते हुए कहा गया कि जानकारी नही है देखते

पक्के सीसी निर्माण के गुप्त टेंडर करवाकर घटिया निर्माण करवाया जा रहा है जिससे बनरबाँट में ज्यादा मुनाफा हो सके। गौरतलब हो कि विकास खण्ड कदौरा में वर्तमान बीडीओ अश्वनी सिंह के कार्यकाल में विकास योजनाएं खुलेआम भृस्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है और लगातार शिकायत व आपत्ति के बावजूद के चलते उक्त मामलों में जिम्मेदार द्वारा अनदेखा किया जा रहा है। विकास खण्ड की ग्राम पंचायत बबीना में महरूख वार्ड में पुरानी सीसी के ऊपर नई सीसी का निर्माण कार्य जारी है जिसे बीडीओ अश्वनी द्वारा पास करने के बाद कार्य शुरू किया जा चुका है जिसमे कुछ नाली निर्माण में घटिया ईंट व मिट्टी मिक्स बॉलू सहित अमनकीय मसाले का प्रयोग किया जाने पर ग्रामीणों द्वारा उक्त धांधली पर आपत्ति जताई गई।ग्रामीणों में शिवकुमार हरिओम दीपू कुमार द्वारा कहा कि उक्त निर्माण कार्य कमीशन की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है जहां नई नाली खराब मसाला के चलते 24 घण्टे के अंदर टूटने लगी। जिन्होंने उक्त है शायद नरेगा से काम हो रहा होगा एव मानक विहीन कार्य के लिए पूछा तो कहा कि जांच करवाएंगे। बड़ी बात ये है कि अधिकांश गांवो में आनन फानन नरेगा के तहत बीडीओ द्वारा सीसी रोड पास किये गए है जिनके टेंडर प्रक्रिया चोरी छिपे पूर्ण हो गई है य नही हुई कुछ पता नही है साथ ही सीसी लागत व माप के सम्बन्ध में किसी को जानकारी दिए बगैर बस धांधली पूर्ण कार्यो को अंजाम दिया जा रहा है। यदि प्रसाशनिक अधिकारी उक्त सम्बन्ध में निष्पक्ष जांच कर ले तो कार्यवाही निश्चित है लेकिन ऐसा सम्भव नही है क्यो की अन्य गांवो से भी उक्त नरेगा योजना में धांधली की शिकायत स्वयं प्रधान तक कर चुके है लेकिन कोई असर नही हुआ क्यो कि वर्तमान बीडीओ है तो सब कुछ मुमकिन है। अब देखना है इस निर्माण में लगी ईंट व बॉलू की फोटो व सामग्री मौके पर मौजूद है जो बेहद घटिया है और इसी कार्य को सीसी के ऊपर सीसी निर्माण करवाकर लागत में बंदरबांट होते देर न लगेगी।

अखिलेश यादव की विजय रथ यात्रा का आयोजन कालपी ठक्कर बाबा इंटर कॉलेज में संपन्न

अवध की आवाज

उरई (जालौन) आज समाज बादी पार्टी की विजय रथ यात्रा का आयोजन कालपी ठक्कर बाबा परिसर में संपन्न हुए कार्यक्रम में सिरकत करने पहुंचे समाजवादी पार्टी के

राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सभा को सम्बोधित किया। विजय रथ यात्रा महोबा से चलकर जालौन के कालपी के ठक्कर बाबा इंटर कॉलेज पहुंची जहा पर सभा का आयोजन कर संबोधित किया। जनपद जालौन के कालपी ठक्कर बाबा इंटर कालेज में समाजवादी पार्टी की विजय रथ यात्रा का आयोजन किया। गया जिसमे समाजवादी पार्टी के लगभग सात आठ सैकड़ा कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर विजय रथ यात्रा को सफल बनाया कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखलेश यादव ने कालपी पहुंचकर विजय रथ यात्रा की सभा को संबोधित किया। साइकिल की सरकार बनना है। यह चिलामची और पकोड़े बेचने वालो को भगाना है जिन्होने किसानों नौजवानों गरीबों का उत्पीड़न किया। वही लखीमपुर में किसानो की हत्या करवाई और मंत्री जी से इस्तीफा भी नही ले पा रहे। बाबा जी और लखीम पुर खीरी में किसानो के परिजनों से मिलने नहीं दिया जा रहा ऐसी क्या वजह है। जो भाजपा सरकार किसानों की हत्या के बाद उनके परिजनों से नही मिलने दे रहे है। बही दूसरी तरफ डीजल, पेट्रोल, गैस की कीमतों को रोज बढ़ाया जा रही किसानों को मदद की जगह महगे रेट पर डीजल पेट्रोल और खाने के लिए तेल 200 रुपए में दिया जा रहा ऑर गरीबों को प्रधान मंत्री आवास के नाम पर लूट घसोट की जा रही। वही हमारी सरकार ने लोहिया आवास देकर गरीबों रहने का काम किया वृद्धा पेंशन में 500 रुपए दिए थे आज भी 6000 मिल रहा ऑर भाजपा ने 2000 देकर किसान सम्मान निधि में 6000 दे पाई। सिर्फ किसानो को गुमराह करने का काम किया। 102 एंबुलेंस की जगह नाम बदल कर 108 कर दी डायल 100 की जगह 112 कर दी। यह भाजपा का विकास है इसका आप लोगो को 2022 में मुंह तोड़ जवाब देना है और साइकिल की सरकार बनाना है। वही माधौगढ़ विधान सभा से प्रबल प्रताप सिंह भी पचास गाड़ी के काफिले के साथ पहुंचे और लोगो से अपील की 2022 में समाज बादी पार्टी की सरकार बनाकर मुख्यमंत्री अखलेश यादव को फिर से बनाना साथ ही कहा। मंच के माध्यम से जनता को संबोधन किया प्रबल प्रताप सिंह अपने काफिले के साथ पहुंचे। अखिलेश यादव जी से मिलने पहुंचे प्रबल प्रताप ने कहा कि भाजपा सरकार गरीबो को कुचल रही है दिन पे दिन महगाई बढ़ रही, किसानों के साथ धोखा कर रही यह सरकार अब नही बननी चाहिए। कार्यक्रम में मौजूद सत्यपाल रूद्र पाल गुर्जर डॉ विश्वनाथ पाल विनोद अवस्थी पप्पू शिवहरे सौरभ यज्ञ शोभा जाग्य रामाधार चौहान शेर सिंह भदोरिया सोनू तोमर सुखराम तोमर लक्ष्मी तिवारी रिंकू कुशवाहा सहित सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे। जोलहूपुर मोड़ से लेकर कालपी भोगनीपुर तक जगह–जगह पर लगाए गए हैं। स्वागतम के पोस्टर बैनर पुलिस बल चप्पे–चप्पे पर तैनात रहा।

उन्नाव। नव दुर्गा के पावन पर्व पर विशाल भंडारे का आयोजन ग्राम नरी में हुआ। यादवेंद्र यादव अनुज शर्मा ग्राम सभा के सभी सम्मानित भक्तगण ने आयोजनकिया। सदर कोतवाली उन्नाव क्षेत्र के अंतर्गत शेखपुर नरी में मां नवदुर्गा के पावन पर्व के शुभ अवसर पर किया गया विशाल भंडारे का आयोजन। मां दुर्गा के भंडारे में पहुंचे अवध कि आवाज के कानपुर मंडल प्रभारी एवम ब्यूरो चीफ ने माथा टेक कर प्रसाद लिया। वही पर अवध कि आवाज की पूरी टीम मौजूद रही। प्रसाद वितरण करने वाले अनुज शर्मा माता जी का हवन पूजन आचार्य पंडित गयादत्त मिश्रा द्वारा कराया गया। हवन ग्राम शेखपुर नरी के सभी लोग मौजूद रहे।हवन पूजन में माता जी के प्रसाद में सभी भक्त लोग सामिल हुए।

सम्पादकीय

भारत-इजरायल मैत्री पर इमरान को मिर्ची लगे तो लगे

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को भारत—इजरायल के मजबूत होते संबंधों पर बड़ी तकलीफ होती है। उनका वश चले तो वे इन दोनों देशों के संबंधों को खराब करने का कोई मौका न चूकें। पर वे बेबस हैं। इसलिए वे भारत—इजरायल संबंधों पर अपनी भड़ास निकालते रहते हैं। हालांकि उनके भड़ास निकालने से फर्क ही क्या पड़ता है।

खैर, उन्होंने हाल ही में दावा किया कि जैसे इजरायल ने फिलिस्तीन की जमीन हड़प ली, उसी तरह भारत मुस्लिम बहुल कश्मीर में वही रवैया अपना रहा है। भारत कश्मीर की आबादी के चरित्र को बदलना चाहता है। उन्हें इस बात से बड़ी तकलीफ रहती है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कश्मीर में गैर—कश्मीरियों को बसाना चाहते हैं।

अब इमरान खान को कोई बता दे कि भारत के अन्य राज्यों की तरह कश्मीर भी भारत का ही एक सूबा है। वहां जो भारत चाहेगा करेगा, उसके पेट में क्यों दर्द हो रहा है। इसके लिए भारत को पाकिस्तान से कोई सलाह नहीं चाहिए। इसलिए इमरान खान कश्मीर के हालात को लेकर दुबले न होते जायें तो उनकी सेहत जितनी तेजी—सी बिगड़ रही है, उतनी शायद नहीं बिगड़ेगी।

इमरान खान जितना ज्यादा बोलते हैं उतनी ही जल्दी वे अपने अल्प ज्ञान को प्रकट कर देते हैं। वे दावा करते हैं कि जब नरेन्द्र मोदी इजरायल जाते हैं, उसके तत्काल बाद भारत के संविधान के अनुच्छेद 370 को खत्म कर दिया जाता है। इमरान खान यह जान लें कि मोदी जी ने इजरायल की यात्रा 2017 में की थी, वहीं जम्मू—कश्मीर के विशेष राज्य का दर्जा साल 2019 में खत्म हुआ।

मतलब पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान अपने सतही ज्ञान से अपने को जोड़कर ही साबित करते रहते हैं। वे दरअसल कुंठित व्यक्तित्व के धनी हैं। उन्हें भारत की किसी भी उपलब्धि पर तकलीफ ही होती है। कुछ समय पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज रजा ने कहा था कि भारत चाहे तो पाकिस्तान की क्रिकेट को तबाह कर सकता है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट संघ को सर्वाधिक फंडिग भारत से ही होती है। यह बयान वह इंसान दे रहा था जिसे इमरान खान ने ही पीसीबी का मुखिया बनाया था।

जाहिर है, इन सब वजहों से ही इमरान खान दुखी रहते हैं। इमरान खान चाहे लाख जले—भुनें पर भारत— इजरायल संबंध तो लगातार मजबूत होते ही रहेंगे। दोनों मुल्कों के संबंध आपसी सौहार्द और विश्वास पर आधारित हैं। दोनों देशों के रिश्ते चट्टान जैसे मजबूत हैं और रहने वाले हैं।

भारत—इजरायल के रिश्तों को ठोस आधार देने की दिशा में प्रधानमंत्री मोदी और इजराइल के निवर्तमान प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता। इजराइल भारत के सच्चे मित्र के रूप में लगातार सामने आता रहा है। हालांकि फिलिस्तीन मसले पर भी भारत आंखें मूंदकर अरब संसार के साथ खड़ा रहा, पर बदले में भारत को वहां से कभी भी अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। उलटे कश्मीर के सवाल पर अरब देशों ने सदैव पाकिस्तान का ही साथ दिया। लेकिन, इजराइल ने हमेशा भारत की हर तरह से मदद की। मुझे कहने दें कि हमारे यहां भी कुछ तत्व इजरायल का खुलकर विरोध करते रहते हैं। वे भूल जाते हैं कि इजरायल सदैव हमारा संकट का मित्र रहा है।

जामिया मिलिया इस्लामिया को ही लें। वहां कोविड—19 से पहले छात्रों ने इजरायल के खिलाफ आंदोलन किया था। वे यह मांग कर रहे थे कि जामिया में इजरायल की किसी भी तरह से भागीदारी नहीं रहेगी। इनका कहना था कि इजरायल फिलिस्तीन में मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहा है। भारत को इन तत्वों पर कसकर चाबुक चलानी होगी। दरअसल, इजरायल से पाकिस्तान ही नहीं बल्कि समूचा अरब जगत भी खार खाता रहा है। हालांकि अब कुछ हालात सुधरते दिख रहे हैं। दुनिया भर के मुसलमानों के मन में इजरायल की तो नेगेटिव ही छवि है। दरअसल इजरायल और उसके पड़ोसियों के बीच 1967 में युद्ध भड़क गया था जिसे अरब—इजराइल युद्ध के नाम से जाना जाता है। उसमें पाकिस्तान के लड़ाकू विमान भी अरब देशों के लिए लड़े थे। यह युद्ध 5 जून से 11 जून 1967 तक चला था। इस जंग के बाद वेस्ट एशिया का चेहरा ही बदल गया था। इजराइल ने मिस्र को गजा से, सीरिया को गोलन पहाड़ियों से और जॉर्डन को पश्चिमी तट और पूर्वी यरुशलम से धकेल दिया था। हालांकि पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों ने जंग में खुलकर भाग लिया था पर जंग में विजय इजरायल की हुई थी।

पाकिस्तान की विदेश नीति में भारत के अलावा इजरायल को भी शत्रु माना जाता है। इजरायल को पाकिस्तान ने मान्यता नहीं दी है और न उससे कभी संबंध स्थापित किए। पाकिस्तान के पासपोर्ट पर लिखा होता है कि ये इजरायल को छोड़कर हर देश में जाने में सहायक है। उधर, इजरायल पाकिस्तान को मान्यता इसलिए नहीं देता, क्योंकि पाकिस्तान धार्मिक आधार पर फिलिस्तीन को मान्यता देता है।

पाकिस्तान के भारत से खराब संबंधों के लिये जिम्मेदार तो अनेकों कारण हैं। उसकी पैदाइश ही भारत से नफरत पर हुई थी। पाकिस्तान में उस शख्स को महान बताया जाता है जो परमाणु बम की तकनीक उत्तर कोरिया को गलत तरीके से बेच देता है। हम बात कर रहे हैं 'इस्लामिक परमाणु बम' के जनक कहे जाने वाले कुख्यात वैज्ञानिक अब्दुल कादिर खान की। उनका हाल ही में निधन हो गया है। वे दुनिया की तबाही का हथियार बनाने वाले परमाणु तस्कर थे। वहां उन्हें मरने के बाद नायक बना दिया गया और उनके जीवन के आखिरी लगभग 17 बरस कैद में ही गुजरे। उनकी रिहाई की भीख मांगते हुए मौत हो गई।

भारत के भोपाल शहर में जन्मे और हिन्दुओं से नफरत करने वाले कादिर की तुलना भारत के 'मिसाइल मैन' राष्ट्रपति अब्दुल कलाम से भी की जाती थी। भारत को अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइलों और परमाणु बम की बेजोड़ ताकत से लैस करने वाले कलाम साहब को देश का राष्ट्रपति बनाया गया। कलाम जनता के राष्ट्रपति साबित हुए। अब्दुल कादिर खान बहुत ही जलते थे कलाम से। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि कलाम एक 'साधारण वैज्ञानिक' थे। आप समझ सकते हैं कि वहां के नायक कितने दिल वाले हैं।

बहरहाल, बात हो रही थी इमरान खान क्यों भारत— इजरायल संबंधों को लेकर दुखी रहते हैं। उनके पास दुखी होने के अलावा कोई विकल्प है ही नहीं क्योंकि भारत—इजरायल रिश्ते मूल्यों और बराबरी पर आधारित हैं। भारत के ऊपर यह दायित्व है कि वह इजरायल को कभी नजरअंदाज न करे। इजरायल ने कई जंगों में भारत की निर्णायक मदद की है, यह उसकी मित्रता का सुबूत है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

वीर सावरकर को बदनाम करने की कड़ी आगे बढ़ सकती है ?

दृप्रमोद भार्गव—

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक ने वीर सावरकर पर लिखी पुस्तक का विमोचन करते हुए एक बड़ी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से ही वीर विनायक दामोदर सावरकर को बदनाम करने की मुहिम चलाई गई है। संभव है, सावरकर के बाद स्वामी विवेकानंद, दयानंद सरस्वती और महर्षि अरविंद के विरुद्ध ऐसी ही साजिश रची जाएं, क्योंकि सावरकर इन्हीं महानायकों के विचारों से प्रभावित थे। इसी अवसर पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सावरकर के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण से जुड़े योगदान को किसी वैचारिक चश्मे से देखने की जरूरत नहीं है। उनके योगदान को अनदेखा करना एवं उन्हें अपमानित करना ऐसे काम हैं, जो क्षमा करने योग्य नहीं हैं।

भागवत और सिंह ने ये कथन सावरकर के जीवन पर उदय माहूकर एवं चिरायू पंडित द्वारा लिखी पुस्तक के विमोचन समारोह में कहे। दरअसल देश में स्वतंत्रता आंदोलन के समय से ही एक षड्यंत्र के तहत वामपंथी बौद्धिकों और कुछ धार्मिक चरमपंथियों ने उस हर व्यक्ति और विचार पर हमले करना शुरू कर दिए थे, जो हिंदुत्व और सनातन ज्ञान परंपरा के पुनर्जागरण की बात कर रहे थे। इसीलिए कथित बुद्धिजीवियों ने विवेकानंद, दयानंद और महर्षि अरविंद को तो नाकारा ही, सूरदास, कबीरदास और तुलसीदास के नवजागरण से जुड़े भक्ति आंदोलन और आजादी की लड़ाई के राष्ट्रवादी आंदोलन को भी प्रतिक्रियावादी आंदोलन की संज्ञा देकर समाज से बहिष्कृत करने की कोशिश की। हालांकि ये दार्शनिक, विचारक और लेखक बहुसंख्यक हिंदु समाज के हमेशा ही प्रेरणास्रोत बने रहे।

यही सही है कि इतिहास हमेशा विजेता अपनी इच्छानुसार लिखवा लिया करते हैं। किंतु इसे देश और देश के राष्ट्र—नायकों का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि 1947 में स्वतंत्र राष्ट्र के अस्तित्व में आने के बावजूद भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास अंग्रेज शासकों की मानसिकता से लिखा गया। यही नहीं, वामपंथी इतिहासकारों ने आक्रांताओं को महिमामंडित किया और भारत के मूल निवासी आर्यों को हमलावर बताया। इस दृष्टि से हमें सावरकर पर न केवल तथ्यपरक दृष्टि अपनाने की जरूरत है, बल्कि समूचे भारतीय इतिहास के पुनर्लेखन की भी आवश्यकता है। क्योंकि इन तथाकथित इतिहासकारों ने हिंदू व मुसलमानों में सामंजस्य बिठाने के बहाने इतिहास का विकृतिकरण कहीं ज्यादा किया है।

हालांकि सावरकर का एक वीर योद्धा और इतिहास लेखक के रूप में सम्मान इंदिरा गांधी भी करती थीं। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी इस तथ्य की पुष्टि की थी। मई 1970 में इंदिरा गांधी ने सावरकर पर डाक टिकट जारी करते हुए कहा था कि 'हम सावरकर के खिलाफ नहीं हैं। वे जीवन भर जिस हिंदुत्वादी विचार का समर्थन करते रहे, हम उसके जरूर खिलाफ हैं। वे सावरकर ही थे, जिन्होंने 1857 को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का नाम दिया। सावरकर ने ही लंदन में पहली बार सशस्त्र क्रांतिकारी आंदोलन संगठित को सक्रिय किया। दरअसल बाल गंगाधर तिलक और श्याम वर्मा ने उन्हें बैरिस्टर की शिक्षा लेने के बहाने 1906 में क्रांतिकारी आंदोलन को हवा देने की दृष्टि से लंदन भेजा था। तिलक उनसे इसलिए प्रभावित थे, क्योंकि सावरकर 1904 में ही 'अभिनव भारत' नाम से एक संगठन अस्तित्व में ले आए थे। लंदन जाने से पहले इसका दायित्व उन्होंने अपने बड़े भाई गणेश सावरकर को सौंप दिया था। इन दोनों भाइयों का मार्गदर्शन तिलक ही कर रहे थे।

लंदन में इंडिया हाउस में ठिकाना बनाकर सावरकर ने भारतीय छात्रों को स्वतंत्रता के लिए एकत्रित किया। इनमें राष्ट्रवाद का अलख जगाया। यहीं इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे मदनलाल ढींगरा को अपने प्रभाव में लिया। इसी दौरान सावरकर ने इटैलियन क्रांतिकारी पात्रिका का मराठी में अनुवाद किया और उसे प्रकाशित कराकर भारत में वितरित किया। इसकी प्रस्तावना बेहद प्रभावशाली ढंग से सावरकर ने लिखी, जिसकी तिलक भी खूब प्रशंसा करते थे। 1906 ने सावरकर ने 1857 का स्वतंत्रता समर पुस्तक लिखने का संकल्प लिया। 10 मई 1907 को इस संग्राम की लंदन के ही इंडिया हाउस में 50वीं वर्षगांठ मनाने का निश्चय किया। इस हेतु सावरकर ने 'फ्री इंडिया सोसायटी' के नेतश्त्व में एक भव्य आयोजन की रूपरेखा बनाई।

फिरंगी हुकूमत को जब इसकी भनक लगी तो उसने इस आयोजन पर अंकुश लगाने के हर संभव प्रयास किए। किंतु सावरकर के वाक्चातुर्य और कानूनी दांव—पेंच के चलते अंग्रेज प्रशासन रोक नहीं पाया। इसी दिन ओजस्वी भाषण देते हुए सावरकर ने इसे तार्किक रूप में सैन्य विद्रोह अथवा गदर के रूप में खारिज किया और अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम का पहला सशस्त्र युद्ध घोषित किया। इस पहली लड़ाई को 'संग्राम' का दर्जा देने वाले वे पहले भारतीय थे।

इंडिया हाउस में रहते हुए ही सावरकर ने मराठी एवं अंग्रेजी में '1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' शीर्षक से करीब एक हजार पृष्ठों की इतिहास—पुस्तक लिखी। भारतीय दृष्टिकोण और ऐतिहासिक सच्चाइयों को तथ्य, साक्ष्य व घटनाओं के साथ किसी भारतीय इतिहास लेखक द्वारा लिखी यह पहली इतिहास—पुस्तक थी। इसके बाद स्वतंत्रता पर 'भारत में अंग्रेजी राज' शीर्षक से पंडित सुंदरलाल ने दो खंडों में पुस्तक लिखी। भारत में अंग्रेजों ने किन—किन कुटिलताओं, लूट की वारदातों और हिंसक घटनाओं को अंजाम देकर दमनकारी राज की स्थापना की, इसके प्रमाणों का दस्तावेजीकरण केवल इन्हीं पुस्तकों में है। दुर्भाग्य से ये दोनों ही पुस्तकें भारत में इतिहास के पाठ्यक्रमों और इतिहास शिक्षकों की दृष्टि से ओझल हैं।

खैर, सावरकर को इस पुस्तक के प्रकाशन में बड़ी समस्या पेश आई, क्योंकि अंग्रेज उनकी प्रत्येक गतिविधि पर निगाह रखे हुए थे। अंग्रेजों ने इस पाण्डुलिपि को पढ़े बिना ही इसके प्रकाशन पर कानूनी रोक लगा दी। यह पहली ऐसी भारतीय पुस्तक थी, जिसे कानूनी प्रतिबंध का सामना करना पड़ा। यह अंग्रेजी में 'द हिस्ट्री ऑफ द वार ऑफ इण्डिन इंडिपेंडेंस 1857' शीर्षक से लिखी। इसे लंदन, पेरिस व जर्मनी से प्रकाशित कराने के प्रयास जब असफल हो गए, तब अंततः मैडम कमा की कोशिशों से हॉलैंड से छपाया गया। पुस्तक उत्साही युवा फ्रांस के रास्ते से भारत लाए।

पहला संस्करण प्रतिबंध के बावजूद हाथों—हाथ बिक गया। स्वाधीनता के प्रति समर्पित क्रांतिकारियों ने इसे 'गीता' की तरह अपने पास रखा और स्वतंत्रता समर में आहुति देने की प्रेरणा ली। इसका दूसरा संस्करण भी मैडम कामा ने ही जर्मनी से प्रकाशित कराया। पाठकों को आश्चर्य होगा कि वामपंथी विचारों से प्रेरित माने जाने वाले उद्भट्ट क्रांतिकारी भगत सिंह ने इसका तीसरा संस्करण प्रकाशित कराया और मूल्य भी ज्यादा रखा, जिससे संगठन के लिए धन इकट्ठा किया जा सके। भगत सिंह ने सावरकर से रत्नागिरी में मुलाकात करके अनुमति ली थी। इस पुस्तक को लोग ढूंढ—ढूंढकर पढ़ते व पढ़ाते थे।

इसी कालखंड में सावरकर और मैडम कामा ने मिलकर 'राष्ट्रीय—ध्वज' बनाया। दरअसल जर्मनी के स्टूगार्ड नगर में समाजवादियों का वैश्विक सम्मेलन आयोजित था। सावरकर की इच्छा थी कि इसमें कामा द्वारा भारत के ध्वज का ध्वजारोहण किया जाए। सावरकर इस उद्देश्य की पूर्ति में सफल हुए। इस ध्वजारोहण की खबर ब्रिटेन समेत दुनिया भर के समाचार—पत्रों में प्रमुखता से छपी। ब्रिटिश विरोधी यूरोप के कई देशों ने तो इस क्रांतिकारी कार्यवाही को ब्रिटिश साम्राज्य के लिए लज्जा का विषय बताया। सावरकर के इस अभियान से प्रभावित होकर रूसी क्रांतिकारियों से उनकी निकटता बढ़ गई। नतीजतन इन्हीं से सावरकर को बम बनाने की तकनीक सिखाने वाली पुस्तक मिली। भारत में इसी पुस्तक से क्रांतिकारियों ने बम बनाने की दक्षता हासिल की।

दरअसल सावरकर चाहते थे कि समूचे भारत में एक दिन, एक ही समय अंग्रेजी—सत्ता के कई ठिकानों पर बम—विस्फोट करके इसकी चूलें हिला दी जाएं। हालांकि सावरकर तो यह नहीं कर पाए, लेकिन भगत सिंह और उनके समकालीन क्रांतिकारियों ने सावरकर की इस मंशा की कालांतर में पूर्ति की।

इस समय तक सावरकर तिलक के बाद सबसे ज्यादा ख्यातिलब्ध क्रांतिकारी हो गए थे। इसी कालखंड में 11 अगस्त 1908 को 18 साल के बंगाली युवा खुदीराम बोस, कन्हैयालाल दत्त, सतिंदर पाल तथा पं. कांशीराम को फांसी दी गई। खुदीराम पर 6 दिसंबर 1907 को बंगाल के नारायणगढ़ रेलवे स्टेशन और फिर मुजफ्फपुर में अंग्रेज अधिकारी किंग्सफोर्ड की बग्घी पर बम फोड़ने के आरोप थे। बग्घी में एक अन्य अंग्रेज अधिकारी की पत्नी और बेटी बैठी थीं, जिनकी इस विस्फोट में मौत हो गई थी। 'गीता' हाथ में लेकर फांसी का फंदा चूमने वाले खुदीराम सबसे कम उम्र के क्रांतिकारी थे।

इन सजाओं से सावरकर बहुत विचलित हुए और उन्होंने इन फांसियों के जिम्मेदार अधिकारी एडीसी सर कर्जन वायली से बदला लेने की ठान ली। मदनलाल ढींगरा ने उनकी इस योजना में जान हथेली पर रखकर शिरकत की। सावरकर ने उन्हें रिवॉल्वर हासिल कराई। जब कर्जन लंदन में भारतीयों के एक कार्यक्रम में भागीदारी करने आया, तब दुस्साहसी ढींगरा ने अवसर पाते ही कर्जन के मुंह में पांच गालियां उतार दीं और आत्मसमर्पण कर दिया। इस जानलेवा क्रांतिकारी गतिविधि से अंग्रेज हुकूमत की बुनियाद हिल गई। यूरोप के अखबारों में ब्रिटिशों को परेशानी में डाल देने वाले शीर्षक से समाचार प्रकाशित हुए— 'हिंदुस्तानियों ने अंग्रेजों के विरुद्ध अंग्रेजों की ही धरती पर युद्ध प्रारंभ कर दिया है।' इस घटना के फलस्वरूप समूचे भारत में अंग्रेजों के विरुद्ध माहौल बनने लगा।

कुछ अंग्रेज भक्त भारतीयों ने इस घटना की निंदा के लिए लंदन में आगा खां के नेतश्त्व में एक सभा आयोजित की। इसमें आगा खां ने कहा कि 'यह सभा आम सहमति से एक स्वर में मदनलाल ढींगरा के कृत्य की निंदा करती है।' किंतु इसी बीच एक हुंकार गूंजी, 'नहीं ऐसा कभी नहीं हो सकता। मैं इस प्रस्ताव का विरोध करता हूं।' इस समय तक आगा खां सावरकर को पहचानते नहीं थे। तब उन्होंने परिचय देने को कहा। सावरकर बोले, 'जी मेरा नाम विनायक दामोदर सावरकर है और मैं इस प्रस्ताव का समर्थन नहीं करता हूं।' अंग्रेजों की धरती पर उन्हीं के विरुद्ध हुंकार भरने वाले वे पहले भारतीय थे।

इसी समय सावरकर को अपने इकलौते पुत्र प्रभाकर की मश्त्यु का समाचार मिला। किंतु वे विचलित नहीं हुए। यही वह समय था, जब ब्रिटिश सरकार उनकी गतिविधियों और सत्ता में बढ़ते दखल से तंग आ चुकी थी। लिहाजा उन्हें ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध युद्ध करने, युवाओं को भड़काने और बम बनाने का साहित्य प्रसारित करने के अरोपों में 13 मार्च 1910 को गिरफ्तार कर लिया। लंदन की ओल्ड बिकी कोर्ट में उन्हें उपस्थित किया गया। यहां उन पर भारत में अभियोग चलाने का आदेश दिया गया। जिस जहाज से उन्हें भारत ले जाया जा रहा था, वह फ्रांस के बंदरगाह मॉसे से गुजरता था। इसलिए उन्होंने मॉसे पहुंचने पर जहाज से छलांग लगा देने की योजना बनाकर अपने साथियों को सूचना भिजवा दी कि मॉसे के तट पर मिलें। वे जानते थे कि यदि इस योजना में सफल हो जाते हैं तो फ्रांस की धरती पर पहुंच जाने के कारण अंग्रेज उन्हें गिरफ्तार नहीं कर पाएंगे। दूसरे अंग्रजों की व्यवस्था में सेंध लग जाती है तो अखबारों में उनका मजाक उड़ेगा। अंततः मॉसे पहुंचने पर सावरकर शौचालय की खिड़की से समुद्र में कूदने में तो सफल हो गए, लेकिन तट पर पहुंचने से पहले ही पकड़ लिए गए। यह घटना 'वीर सावरकर की छलांग' के नाम से जानी जाती है।

24 सितंबर 1910 को उन्हें अदालत में पेश किया गया। यहां उन्हें दोहरे आजीवन करावास की सजा दी गई और अंडमान—निकोबार की कालापानी जेल भेज दिया गया। यहां की काल—कोठरी में अमानवीय अत्याचार भोगते हुए उन्होंने दस साल यातना मयी जीवन गुजारा। तत्पश्चात माफीनामा लिखकर उन्होंने जेल से मुक्ति पाई।

इस कोठरी पर भी कालजयी साहित्य की वे रोजाना नई पंक्तियां लिखते थे और उन्हें कंठस्थ करने के बाद मिटाकर फिर नई पंक्तियां लिखते थे। यह माफीनामा उन्होंने केवल अपने जीवन की सुरक्षा के लिए न लिखकर, जेल से बाहर आने का बहाना ढूंढने के लिए लिखा था। क्योंकि दूसरा विश्वयुद्ध शुरू हो गया था और सावरकर इसमें भागीदारी करके आजादी का रास्ता तलाशने के इच्छुक थे। शायद इसीलिए महात्मा गांधी ने 8 मई 2021 को 'यंग इंडिया' में लिखा था, 'यदि भारत इसी तरह सोया रहा तो मुझे डर है कि उसके दो निष्ठावान पुत्र सावरकर और उनके बड़े भाई गणेश हाथ से चले जाएंगे। लंदन में मुझे सावरकर से भेंट का सौभाग्य मिला था। वे बहादुर हैं, चतुर हैं और देशभक्त क्रांतिकारी हैं। ब्रिटिश प्रणाली की बुराइयों को उन्होंने बहुत पहले ही ठीक से समझ लिया था।'

याद रहे नजरबंद सुभाषचंद्र बोस को भारत से बाहर जाकर ब्रिटेन के शत्रु राष्ट्रों से सैनिक सहयोग लेने की सलाह सावरकर ने ही दी थी। बोस का देश से पलायन और फिर आजाद हिंद फौज के सेनापति के रूप में सामने आना ही, ऐसा एक बड़ा कारण था, जिसने अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए विवश किया था। क्योंकि उन्होंने उस सेना को ही अंग्रेजों के विरुद्ध खड़ा कर दिया था, जिसके बूते अंग्रेज भारत को गुलाम बनाए हुए थे।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

शरण्ये त्रयंबके गौरी नारायणी नमोस्तुते

दृडॉ. दिलीप अग्निहोत्री—

सर्वे भवन्तु सुखिनः की कामना, भारतीय संस्कृति की विलक्षण विशेषता है। यह भाव दुनिया की अन्य सभ्यताओं में दुर्लभ है। नवरात्र शक्ति उपासना का पर्व है। किंतु शक्ति का यह विचार भी सभी प्राणियों के कल्याण हेतु है— सर्वमंगल मांगल्ये, शिवे सर्वार्थ साधिके, शरण्ये त्रयंबके गौरी, नारायणी नमोस्तुते! वर्ष और दिवस में दो संधिकाल महत्वपूर्ण होते हैं। दिवस में सूर्योदय व सूर्यास्त के समय संधिकाल कहा जाता है। सूर्योदय के समय अंधकार विलीन होने लगता है, उसके स्थान प्रकाश आता है। सूर्यास्त के समय इसकी विपरीत स्थिति होती है। भारतीय चिंतन में इस संधिकाल में उपासना करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त वर्ष में दो संधिकाल होते है। इसमें मौसम का बदलाव होता है। ऋतु के समय संयम से स्वास्थ्य भी ठीक रहता है।

नवरात्र आराधना भी वर्ष में दो बार इन्हीं संधिकाल में आयोजित होती है। यह शक्ति आराधना का पर्व है। इसी के अनुरूप संयम नियम की भी आवश्यकता होती है। पूरे देश में इक्यावन शक्तिपीठ पूरे वातावरण को भक्तिमय बना देते हैं। इस बार घर में रहकर ही व्रत आराधना करना भी एक प्रकार का आत्मसंयम था। कुछ समय पहले ही उत्तर प्रदेश सरकार ने मां विंध्यवासिनी शक्तिपीठ, मां ललिता देवी शक्तिपीठ नैमिषारण्य और मां पाटेश्वरी शक्तिपीठ देवीपाटन में नवरात्र पर लगने वाले मेलों को राज्यस्तरीय मेले का दर्जा प्रदान किया था।

इस बार मेला नहीं हो सका। लोगों ने आत्मसंयम का परिचय दिया। इसे भी आराधना का अंग कहा जा सकता है। सीतापुर जिले में मां ललिता देवी शक्तिपीठ पर अमावस्या मेला लगता है। बलरामपुर जिले में मां पाटेश्वरी शक्तिपीठ देवीपाटन तुलसीपुर व मिर्जापुर जिले में मां विंध्यवासिनी शक्तिपीठ पर वर्ष के दोनों नवरात्रि में मेला लगता है। इन्हीं का प्रांतीयकरण किया गया है।

शक्तिपीठों में मां विंध्यवासिनी की महिमा विख्यात है। एक मान्यता के अनुसार विंध्यवासिनी मधु तथा कैटभ नामक असुरों का नाश करने वाली भगवती यंत्र की अधिष्ठात्री देवी हैं। जनपद मीरजापुर में गंगाजी के तट पर मां विंध्यवासिनी का धाम है। यहां देवी के तीन रूपों का धाम है। इसे त्रिकोण कहा जाता है। विंध्याचल धाम के निकट ही अष्टभुजा और काली खोह का मंदिर है। अष्टभुजा मां को भगवान श्रीकृष्ण की सबसे छोटी और अंतिम बहन माना जाता है। श्रीकृष्ण के जन्म के समय ही इनका जन्म हुआ था। कंस ने जैसे ही इन्हें पत्थर पर पटका, वह आसमान की ओर चली गयीं थी। अष्टभुजा धाम में इनकी स्थापना हुई।

यह मंदिर अति सुंदर पहाड़ी पर स्थित है। पहाड़ी पर गेरुआ तालाब भी प्रसिद्ध है। मां अष्टभुजा मंदिर परिसर में ही पातालपुरी का भी मंदिर है। यह एक छोटी गुफा में स्थित देवी मंदिर है। त्रिकोण परिक्रमा के अंतर्गत काली खोह है। रक्तबीज के संहार करते समय माँ ने काली रूप धारण किया था। उनको शांत करने हेतु शिवजी युद्ध भूमि में उनके सामने लेट गये थे। जब माँ काली का चरण शिवजी पर पड़ा। इसके बाद वह पहाड़ियों के खोह में छुप गयी थी। यह वही स्थान बताया जाता है। इसी कारण यहां का नामकरण खाली खोह हुआ।

नवरात्र शक्ति आराधना का आध्यात्मिक पर्व है। मां दुर्गा के इस पावन पर्व में रंगों का बहुत अधिक महत्व होता है। नवरात्रि में नौ दिन दुर्गा मां के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। नवदुर्गा में प्रथम दुर्गा शैलपुत्री माता हैं। यह पर्वतराज हिमालय के घर में जन्मी थी। जिसके कारण इनका नाम शैलपुत्री पड़ा। शैलपुत्री माता की पूजा के दौरान पीले रंग वस्त्रों का महत्व है।

नवदुर्गा में दूसरी माता ब्रह्माचारिणी हैं। ब्रह्माचारिणी माता की पूजा नवरात्रि के दूसरे दिन की जाती है। इस दिन हरे रंग के वस्त्र ठीक रहते है। मां दुर्गा की तीसरी शक्ति चंद्रघंटा है। नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। चंद्रघंटा माता की पूजा के दौरान स्लेटी रंग का विधान है। मां दुर्गा की चौथी शक्ति कुष्मांडा माता हैं। कुष्मांडा माता के आठ भुजाएं हैं। नवरात्रि के चौथे दिन कुष्मांडा मां की पूजा की जाती है। इस दिन नारंगी रंग के वस्त्र धारण करना शुभ होता है। मान्यता है कि मां कुष्मांडा को नारंगी रंग प्रिय है। पांचवीं शक्ति स्कंदमाता माता है। स्कंदमाता अपने भक्तों को इच्छाओं की पूर्ति करती हैं। इस दिन सफेद रंग के वस्त्र शुभ होते हैं। माता कात्यायनी को अमरकोष में पार्वती का दूसरा नाम बताया गया है।

नवरात्रि के छठे दिन कात्यायनी माता की पूजा की जाती है। कात्यायनी और दुर्गा माता दोनों को लाल रंग काफी प्रिय है। कालरात्रि माता दुर्गा माता की सातवीं शक्ति है। कालरात्रि माता को काली, महाकाली, भद्रकाली, भैरवी, रुद्रानी, चामुंडा,चंडी और दुर्गा के कई विनाशकारी रूपों में से एक माना जाता है। देवी के इन रूपों से सभी राक्षस, भूत, प्रेत, पिशाच और नकारात्मक ऊर्जाओं का नाश होता है। इनकी पूजा के समय नीले वस्त्र धारण करने चाहिए। महागौरी मां दुर्गा की आठवीं शक्ति हैं। नवरात्र के आठवें दिन महागौरी माता की पूजा की जाती है। इनको गुलाबी रंग प्रिय है। सिद्धिदात्त्री माता मां दुर्गा की नौवी और अंतिम शक्ति है। नवरात्र के आखिरी दिन सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। इस दिन बैंगनी वस्त्रों को शुभ माना जाता है।

भारतीय पर्व उत्सव वैज्ञानिक काल गणना पर आधारित है। आधुनिक खगोल विज्ञान के लिए भी चमत्कार से कम नहीं। क्योंकि इसका अविष्कार उस समय हुआ था जब दुनिया में अन्यत्र मानव सभ्यता नहीं थी। इसका आकलन ईसापूर्व जैसी परिधि में संभव ही नहीं है। यह काल गणना पश्थ्वी के प्रादुर्भाव से प्रारंभ होती है। यह शाश्वत है, चारों युग समाप्त होंगे, नए युगों का चक्र प्रारंभ होगा, लेकिन यह काल गणना तब भी इसी गति से चलती रहेगी। इसमें एक पल का भी अंतर नहीं आएगा।

दुनिया की सर्वाधिक प्राचीन व वैज्ञानिक काल गणना का आविष्कार भारत में हुआ था। इसमें समय के न्यूनतम अंश का भी समावेश है। प्रलय के बाद भी यह काल गणना निरन्तर जारी रहेगी, प्रासंगिक रहेगी। इसके नव वर्ष में प्रकृति भी नए रूप में परिलक्षित होती है। यह संधिकाल आध्यात्मिक ऊर्जा को प्राप्त करने का अवसर होता है। भारतीय काल गणना में परमाणु से लेकर कल्प तक का विचार है। इसलिए यह पूर्णतया वैज्ञानिक है।

भारतीय नव वर्ष का प्रथम दिन अपने में व्यापक सन्देश देने वाला होता है। चौत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही पृथ्वी माता का प्रादुर्भाव हुआ। इसी के साथ ब्रह्माजी ने काल गणना का श्री गणेश किया। नवरात्रि का प्रथम दिवस मत्स्यावतार, प्रभु श्रीराम का राज्याभिषेक, धर्मराज युधिष्ठिर का राज्य तिलक इसी दिन हुआ था। यह सभी अवसर भारतीय संस्कृति को समृद्ध बनाने वाले हैं। पृथ्वी के प्रादुर्भाव के एक अरब सत्तानबे करोड़ उनतीस लाख उनचास हजार एक सौ बाइस वर्ष हो चुके हैं। इस अवधि में एक पल का भी अंतर नहीं हुआ है। यह भारतीय वैज्ञानिक काल गणना की विशेषता है। इसकी बराबरी के विषय में दुनिया की अन्य काल गणना कल्पना भी नहीं कर सकती। ईसा पूर्व और ईसा बाद का प्रचलन तथ्य परक नहीं है। प्राचीन भारत के गुरुकुल अनुसन्धान के केंद्र हुआ करते थे।

कालगणना में क्रमशः प्रहर, दिन—रात, पक्ष, अयन, संवत्सर, दिव्यवर्ष, मन्वन्तर, युग, कल्प और ब्रह्मा की गणना की जाती है। हमारे ऋषियों ने चक्रीय अवधारणा का सुंदर वर्णन किया। काल को कल्प, मन्वंतर, युग में विभाजित किया। चार युग बताए। सतयुग, त्रेता, द्वापर और कलियुग। इनकी चक्रीय व्यवस्था चलती है। अर्थात ये शाश्वत रूप से आते जाते हैं। इसकी पुनरावृत्ति होती रहती है। इसके अनुरूप इस समय ब्रह्मा की आयु के दूसरे खंड में, श्वेतावाराह कल्प में, वैवस्वत मन्वंर में अट्ठाईसवां कलियुग चल रहा है। इस कलियुग की समाप्ति के पश्चात चक्रीय नियम में पुनः सतयुग आएगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा समिति बैंकर्स की (डी0एल0आर0सी0) बैठक:

बैंकर्स लाभार्थियों से सकारात्मक व्यवहार रखते हुये बैंक खाता अधिक से अधिक खोलने के निर्देश:

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमउन्अध्यक्षता में आज विकास भवन सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा समिति बैंकर्स की (डी0एल0आर0सी0) बैठक की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि स्वयं सहायता समूह के बचत खाते व सी0सी0एल0 में बैकों द्वारा अच्छे कार्ड योजनांतर्गत आच्छादित करने एवं एन0आर0एल0एम0 में आ रहे लम्बित आवेदनों का 25 अक्टूबर से पहले निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया गया । जिले में पीएम स्वनिधि योजना एवं अन्य सरकारी योजनाओं में किए जा रहे प्रयासों के लिए अग्रणी जिला प्रबन्धक प्रशंसा की एवं सभी लक्ष्यों की

से कार्य किया जाये, किसी भी तरह की शिकायत नहीं मिलनी चाहिये। उन्होंने कहा कि बैंक राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के समूहों के खाते खोलने की प्रक्रिया में तेजी लायी जाये तथा नकारात्मक व्यवहार करके महिलाओं का मनोबल तोड़ा न तोड़ा जाये। उन्होंने कड़े शब्दों सम्बन्धित शाखा प्रबन्धकों को एक सप्ताह में सभी लम्बित पत्रावलियों का निस्तारण करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी द्वारा अधिक से अधिक किसानों को किसान क्रेडिट शत प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने एम0एस0एम0ई0 क्षेत्र के लाभार्थियों का शत–प्रतिशत खाता कैम्प लगाकर खोलने के निर्देश दिए। बैठक में वार्षिक ऋण योजना 2021–22 एवं अन्य में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में प्रगति की समीक्षा की गई , फसली ऋण एवं किसान क्रेडिट कार्ड योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, उद्योग के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति, खादी एवं ग्रामोद्योग योजना के अंतर्गत चलाई जा रही प्रगति आदि पर समीक्षा की गई।

सही से हाथ धुलें–बीमारियों से बचें

बच्चों को डायरिया, निमोनिया व सांस की बीमारियों से बचाएं

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। कोरोना ने हर किसी को हाथों की पूर्ण स्वच्छता की अहमियत अच्छी तरह से समझा दिया है । हाथों को स्वच्छ रखकर कोरोना ही नहीं बल्कि कई अन्य तरह की संक्रामक बीमारियों से बचा जा सकता है, क्योंकि हाथों के जरिये मुंह व नाक के रास्ते कई बीमारियाँ शरीर के अन्दर प्रवेश कर जाती हैं । इस बारे में समुदाय को पूरी तरह जागरूक करने के लिए ही हर साल 15 अक्टूबर को ग्लोबल हैंडवाशिंग डे (विश्व हाथधुलाई दिवस) मनाया जाता है । एसजीपीजीआई – लखनऊ की वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पियाली भट्टाचार्य का कहना है कि रिपोर्ट बताती हैं कि शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों की होने वाली कुल मौत में करीब 17 प्रतिशत निमोनिया और 13 प्रतिशत डायरिया की चपेट में आने से होती हैं । अगर हाथों की स्वच्छता का पूरा ख्याल रखा जाए तो इस आंकड़े में निश्चित रूप से कमी लाते हुए बच्चों के जीवन को बचाया जा सकता है। शुरूआती दिनों में बच्चे इन्हीं दोनों बीमारियों की चपेट में कई–कई बार आते हैं क्योंकि वह इधर–उधर चीजों को छूने के बाद ऊँगली मुंह में डाल लेते हैं या तो उन्हीं अनदेखी गंदगी से भरे हाथों से कुछ खा–पी लेते हैं और वही डायरिया का प्रमुख कारण बनता है । लम्बे समय तक डायरिया की चपेट में रहने से बच्चे कुपोषण की भी जद में आ जाते हैं जो कि उनके पूरे जीवन चक्र को प्रभावित करता है । इसलिए जरूरी है कि बचपन में ही हाथों की सही सफाई की आदत बच्चों में डालें और इसे उनके व्यवहार में शामिल करने की कोशिश करें । यह ध्यान रहे कि मां बच्चे को छूने व स्तनपान कराने से पहले, खाना बनाने व खाने से पहले, खांसने–छींकने के फौरन बाद, बीमार व्यक्तियों की देखभाल के बाद और शौच के बाद साबुन–पानी से 40 सेकेण्ड तक अच्छी तरह से हाथों को अवश्य धुलें । कोरोना से बचने के लिए बाहर से घर आने पर साबुन–पानी से पहले हाथ व पैर अच्छी तरह धुलें तभी अन्दर प्रवेश करें । इसके अलावा कोई वस्तु या सतह को छूने के बाद भी हाथों को धुलें या सेनेटाइज करें ।

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के रेस्परेटरी मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. सूर्य कान्त का कहना है कि सांस सम्बन्धी कई बीमारियाँ हाथों की सही तरीके से साफ–सफाई न होने से पैदा होतीं हैं । गले के संक्रमण का भी बहुत बड़ा कारण भी यह बनता है । हाथों को अच्छी तरह से धुलने के बाद लोग कपड़े से पोंछ लेते हैं जिससे उस सफाई का कोई मतलब नहीं रह जाता है, इसलिए हाथों को धुलने के बाद उसे हवा में ही सुखाएं और अपने को संक्रमण से बचाएं ।

हाथों की सही सफाई 'सुमन–के' (एसयूएमएएन–के) ने समझाई :

साबुन–पानी से हाथों की सही तरीके से सफाई के छह प्रमुख चरण बताये गए हैं, जिसे सुमन–के विधि से समझा जा सकता है । एस का मतलब है पहले सीधा हाथ साबुन–पानी से धुलें, यू– फिर उलटा हाथ धुलें, एम–फिर मुठ्ठी को रगड़–रगड़कर धुलें, ए– अंगूठे को धुलें, एन–नाखूनों को धुलें और के– कलाई को अच्छी तरह से धुलें । इस विधि से हाथों की सफाई की आदत बच्चों में बचपन से ही डालनी चाहिए और उसकी अहमियत भी समझानी चाहिए ।

इन स्थितियों में हाथों की स्वच्छता का रखें खास ख्याल :

खाना बनाने और खाना खाने से पहले

शौच के बाद

नवजात शिशु को हाथ लगाने से पहले

खांसने या छींकने के बाद

बीमार व्यक्तियों की देखभाल के बाद

कूड़ा–कचरा निपटान के बाद

आठवें स्वरूप महागौरी की पूजा अर्चना कर भक्तो ने धनधान्य का आशीर्वाद मांगा।

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली–सीतापुर। स्थानीय कस्बा सिधौली में शारदीय नवरात्रि के आठवे दिन तहसील रोड पर सजे माँ दुर्गा पूजा दरबार बाजार,विवेक नगर, शीतला

मंदिर,महमूदाबाद चौराहा सिद्धेश्वर मंदिर में सजे माँ के भव्य दरबार मे श्रद्धालु भक्तजनों ने माँ दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की पूजा अर्चना कर धनधान्य का आशीर्वाद मांगा। प्रातःकाल ज्योतिषाचार्य पं0 कमल कुमार मिश्र व आचार्य नवनीत शुक्ला ने यजमान जाग्रत मिश्र व अन्य भक्तो को विधि विधान से महागौरी की पूजा अर्चना कराई । उन्होंने बताया कि महागौरी सृष्टि का आधार एवं अक्षत सुहाग की प्रतीक है सौभाग्य,धन,संपदा, सौंदर्य एवं स्त्री जनित गुणों की अधिष्ठात्री देवी महागौरी है देवी के इस रूप की पूजा अर्चना विवाहित महिलाओं को अखंड सौभाग्य का फल प्रदान करती है इसके पूर्व सायंकाल माँ के सजे भव्य दरबार मे माँ कालरात्रि रुप की आरती माँ के जयकारों के बीच अभिनव मिश्र व विक्की सब्बरवाल के द्वारा सम्पन्न कराई गई आरती के पच्यात उपस्थित श्रद्धालु भक्तजनों से रिंकू गुप्ता व हर्षित ने मा के दरबार मे जयकारे लगवाये जयकारो में वाद्ययंत्र पर कृष्णमोहन मिश्र व रिंकू गुप्ता ने साथ दिया माँ के दरबार मे जयकारे लगाए गए माँ के जयकारो से पूरा दरबार दुर्गामय हो गया समिति के अध्यक्ष दिग्विजय शुक्ला ने बताया कि कोविड 19 के नियमों का पालन किया जा रहा है। जो भक्त माँ के दरबार नही आ पा रहे है उन्हें सोशल मीडिया पर फेसबुक के माध्यम दरबार में सायंकाल होने वाली पूजा अर्चना व आरती को प्रतिदिन समिति के सदस्यों द्वारा लाइव दिखाया जा रहा है और बताया कि 14 अक्टूबर 2021 दिन गुरुवार को महाआरती के पच्यात हलुवे चने का प्रसाद वितरण होगा और बताया कि सभी भक्तों को उनके यथास्थान पर ही समिति के डॉ अजय शुक्ला,गोलू सिंह व सूरज गुप्ता के द्वारा प्रसाद दिया जाता है। नगर क्षेत्र मे सजे माँ के दरबारों में तुन्ना जैन,ए0के0 अवस्थी ष्पंकज परतोष जैन,संजय जैन का विशेष सहयोग रहता है दरबार में अनुराग आग्नेय,डॉ0 अजय शुक्ला,इंद्रेश मिश्रा,सूरज गुप्ता, उपेन्द्र त्रिपाठी,गिरजा मिश्रा,गुड्डू शर्मा,मोहन मिश्रा अमित शर्मा, हिमांशु तिवारी,अनुराग शुक्ला (बंटी)शुभम जैन,गौरव श्रीवास्तव वाशु श्रीवास्तव,शरद श्रीवास्तव, हिमांशू जैन,वैभव जैन,सरदार सोनू सिंह,सरदार शैली सिंह, आकाश गुप्ता,पुष्कर गुप्ता, सरदार बल्लू सिंह,अनूप बाजपेई सुरेश चन्द्र बाजपेई चंद्रबाबू रस्तोगी,सरदार शैली सिंह राजन तिवारी,सुनील शुक्ल आदि का सहयोग रहता है।

मनकापुर गोंडा , संचार विहार आईटीआई में राम–लीला का कलाकारों द्वारा हुआ मंचन।

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। डिजिटल सिटी आफ इंडिया के नाम से मशहूर आईटीआई में संचार विहार के कलाकारों द्वारा राम लीला के अंतर्गत सीता स्वयंवर, धनुष–यज्ञ, राम–सीता विवाह का सफल मंचन 13 अक्टूबर 2021 को प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं महाप्रबंधक दिलीप कुमार शर्मा, उपमहाप्रबंधक (वित्त) रजनीश भटनागर, मानव संसाधन प्रमुख वाई एस चौहान, कर्मचारी संघ के महामंत्री उमेश चन्द्र ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर ओम जय जगदीश हरे ! की आरती करने के साथ ही राम लीला की शुरूआत हुई इनके अलावा गणमान्य लोग टाउन शिप विधुत प्रमुख आर सी मिश्रा, कर्मचारी संघ के कार्यवाहक अध्यक्ष गुरूबक्स, मी.प्र.राम लखन वर्मा, राजकुमार ने में भी आरती की। रामलीला के कलाकारों ने उपस्थित संचार विहार के दर्शको का मन मोह लिया। यह रामलीला सबरंक कला मंच द्वारा आयोजित की गई थी जिसमे प्रमुख रूप से कपिल श्रीवास्तव, आर के रसाल, गीता गुप्ता, राजकुमार, के के पाल, संजीव श्रीवास्तव के अलावा समिति के तमाम लोगो ने भरपूर सहयोग किया। कार्यक्रम में कोई व्यवधान न उतपन्न हो इसके लिए मनकापुर कोतवाली के उप निरीक्षक सतेंद्र वर्मा अपने दल–बल के साथ प्रेक्षागृह में मौजूद रहे। अंत मे मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कहा कि रामलीला हमारी पुरानी परम्परा को दर्शाती है यह हमारे लिए आदर्श है इसको निरन्तर जारी रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन मानव संसाधन अधिकारी जे के श्रीवास्तव ने किया और सहयोग के लिए सभी को धन्यवाद भी ज्ञापित किया। इस अवसर पर संचार विहार के सैकड़ों की संख्या में उपस्थित दर्शकों ने रामलीला का भरपूर आनंद लिया।

कदौरा क्षेत्र बेतवा में डूबकर मजदूर की मौत परिजनों में मचा कोहराम

बॉलू घाट में बची लकड़ी को निकालने गया था मजदूर नाव बहने से हुआ हादसा

कदौरा/जालौन।बेतवा नदी में घाट संचालको द्वारा छोड़ी गई लकड़ी लेने गए मजदूर की बेतवा में डूबने से हुई मौत से परिजनों में कोहराम मच गया जिसे निकाल

कर देर शाम सीएचसी लाया गया डॉक्टरों द्वारा म्रत घोषित करने पर पुलिस द्वारा शव को पीएम के लिए भेज दिया गया। ज्ञातव्य हो कि कदौरा क्षेत्र ग्राम पंचायत पथरेहटा मजरा क्योट्रा निवासी मजदूर गंगा पुत्र सरूवा 50 वर्ष की गत दिन बेतवा नदी में डूबने से मौत हो गयी। मामले में बताया कि गांव के समीप नदी में उक्त मजदूर घर मे जलाने के लिए नाव लेकर लकड़ी लेने गया था जो कि बीच नदी में बने टापू में बॉलू घाट संचालक छोड़ गए थे।मंगलवार की दोपहर जैसे ही उक्त मजदूर बीच टापू में पहुंच उक्त लकड़ियां उखाड़

कर नाव में रखने लगा वजन ज्यादा हो जाने से उसकी नाव डूब गई व बहने लगी तभी नाव को पकड़ने लिए मजदूर काफी देर तैरकर मशक्कत करता रहा एव खनन के गहरे गड्ढों की चपेट में आकर मजदूर डूबने लगा जिसे डूबते हुए नदी के उस तरफ किसी हरसुडी निवासी चरवाहे ने देखा तो चिल्ल्लाया तब तक मजदूर डूब चुका था तभी एकत्र हुए क्योट्रा निवासी ग्रामीणों ने डूबे हुए मजदूरों को काफी मशक्कत के बाद उसका शव नदी से निकाला गया तब मजदूर की शिनाख्त हो सकी। वही मजदूर मुखिया की खबर परिजनों को मिलते ही पत्नी फूलवती व पुत्र व अन्य में कोहराम मच गया जिसका शव देख कोहराम मच गया देर शाम उक्त मजदूर को सीएचसी ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया जिसे पुलिस द्वारा पीएम के लिए भिजवाया गया। बताया गया कि उक्त बॉलू घाट संचालको द्वारा नदी किनारे से लेकर बीच तक पोक लैंड मशीनों से बड़े बड़े गड्ढे कर दिए है जिससे कही ऊँचाई तो कही गहराई अधिक होने से तैराकों भी अंदाजा नही हो पाता है पहले भी उक्त क्षेत्र चरवाहे समेत अन्य की डूबकर मौत हो चुकी है। गरीब परिवार में मुखिया की मौत से बेसहारा परिवार में कोहराम मच गया जिनका संचालन उक्त मुखिया ही मेहनत मजदूरी करके घर चलाता था।

आईटीआई संचार विहार में माँ की नेत्र–पट्टिका का हुआ अनावरण

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। शारदीय नवरात्रि की सप्तमी के दिन माँ की पट्टिका का अनावरण मानव संसाधन प्रमुख वाई एस चौहान एवं उपमहा प्रबंधक आलोक गुप्ता द्वारा किया गया। आदि शक्ति माँ दुर्गा भक्त भी अपनी सुरक्षा को लेकर सचेत रहते हुए मास्क और सोशल डिस्टेंसिग का पालन करते हुए माँ की आरती में शामिल हो रहें है। कोरोना को मद्देनजर रखते हुए इस बार माँ भगवती का जागरण नही किया जाएगा।प्रवीण मिश्रा ने बताया

पूजा समिति संचार विहार आईटीआई मनकापुर में यह माँ दुर्गा पूजन का 33 वां वर्ष है। कोरोना महामारी के प्रोटोकॉल के तहत व्यवस्थापक प्रवीण मिश्रा ने कर्मचारी मनोरंजन के हाल में आये हुए सभी माँ के भक्तों को मास्क और सोशल डिस्टेंसिग का पालन करने के लिए प्रेरित किया । कि 13 अक्टूबर को संचार विहार के प्रेक्षागृह में राम लीला का मंचन किया जाएगा जिसमे धनुष–यज्ञ एवं राम–विवाह स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा साथ ही 15 अक्टूबर दशहरे के दिन शाम को रावण पुतले का दहन केंद्रीय विद्यालय के मैदान में किया जाएगा।

कानपुर महानगर में पालिका स्टेडियम में पंचम दिनेश मिश्रा T२० क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन

अवध की आवाज ब्यूरो

कानपुर। गुरुवार को कानपुर महानगर में पालिका स्टेडियम में पंचम दिनेश मिश्रा T20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन हुआ दिनेश मिश्रा T20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन कल्याणपुर विधानसभा के कांग्रेस पार्टी के जनप्रिय युवा नेता राजीव द्विवेदी के द्वारा उद्घाटन किया गया। उद्घाटन पर खिलाड़ियों के अलावा तुफैल अहमद खान महासचिव उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक विभाग निहाल अहमद जिला सचिव नगर ग्रामींण किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष नरेंदर चंचल जी मौजूद रहे।

नारायाण हार्डवेयर का उद्घाटन करने पहुंचे समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री।

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। दतौली के कुड़ासन बाजार में नारायण हार्डवेयर के नाम से खुले नए प्रतिष्ठान का उद्घाटन करने पहुंचे समाज कल्याण मंत्री व मनकापुर विधायक रमापति शास्त्री उनके साथ जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप,मनकापुर पूरे दलबल के साथ पहुंचे, मंत्री की सुरक्षा में भारी पुलिस बल व मनकापुर कोतवाल तैनात रहे। नारायण हार्डवेयर एंड पेंट्स के प्रोप्राइटर सूर्य नरायण पाण्डेय भाजपा किसान मोर्चा के मण्डल उपाध्यक्ष है उन्होंने अतिथियों के लिए भव्य स्वागत की तैयारी की उद्घाटन के बाद मंत्री

ब्लॉक प्रमुख जगदेव चौधरी, भाजपा युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष कुणाल सिंह युवा मोर्चा के मण्डल उपाध्यक्ष राज नारायण पाण्डेय सहित दर्जनों भाजपा पदाधिकारी जी एव उपस्थित भाजपा के पदाधिकारियों ने जल पान कर उपस्थित लोगों का हाल चाल पूछा कुछ देर की भेंट वार्ता के के पश्चात मंत्री जी का काफिला हुआ रवाना।

बलात्कार की कोशिश के आरोपी पूर्व विधायक शाहनवाज राणा की अंतरिम जमानत याचिका खारिज

मुजफ्फरनगर, (वेब वार्ता)। मुजफ्फरनगर में एक विशेष अदालत ने एक महिला से बलात्कार करने की कोशिश के आरोपी एवं पूर्व विधायक शाहनवाज राणा की अंतरिम जमानत याचिका खारिज दी और उनसे अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने को कहा है। अदालत में पेश नहीं होने के कारण राणा के खिलाफ पहले ही एक गैर जमानती वारंट जारी किया जा चुका है। विशेष न्यायाधीश गोपाल उपाध्याय ने अंतरिम जमानत याचिका खारिज करते हुए राणा से अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने को कहा। अभियोजन पक्ष के अनुसार, पीड़िता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर राणा के खिलाफ 2001 में मामला दर्ज किया गया था। पीड़िता ने सिविल लाइन्स पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया था कि राणा ने नौकरी दिलाने के बहाने उसे मुजफ्फरनगर बुलाया और एक अन्य व्यक्ति सरताज के साथ मिलकर उसका बलात्कार करने की कोशिश की।

युवा सपा नेता राहुल शुक्ला ने क्षेत्र के सभी स्थलों पर पहुंचकर, मां के दरबार में माथा टेका, मागा आशीर्वाद माँगा।

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। समाजवादी पार्टी की पूर्व विधायिका श्री मति नन्दिता शुक्ला के सुपुत्र राहुल शुक्ला इस बार होने वाले विधान सभा चुनाव में मेहनवन की सीट से समाजवादी पार्टी के प्रबल दावेदार हैं। नवरात्रि के पावन अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के तकरीबन सभी पूजा स्थलों का भ्रमण कर जन सम्पर्क किया एवं माँ दुर्गा से समाने मत्था टेक कर आशीर्वाद माँगा। इस मौके पर उन्होंने पूर्ण आत्म विश्वास के साथ कहा जिनको प्रचार करना है वो करें इस बात दे उन्हें कोई दिक्कत नही है मेहनवन की सीट उनको टिकट मिलना तय है, उन्हें अपने पिता स्वर्गीय श्री घनश्याम शुक्ला की स्मृति की याद दिलाते हुए उपस्थित जन समूह से कहा की मेरे पिता ने मेहनवन की भलाई के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया जनता का आशीर्वाद मिला तो अपने पिता की तरह पुरी तन्मयता से जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए काम करूँगा, उन्होंने ग्राम सभा डेबरी कलां, ढुढाव, बनकटी, तिनोहना, सांगीपुर, दुर्जनपुर माफी, पिपरा लालच, पण्डित पुरवा, तिवारी पुरवा, शीरपुरवा में माता रानी के दरबार में हाजिरी लगाई जहां लोगों ने उनका स्वागत तथा अभिनन्द करते हुए समर्थन स्वरुप आशीर्वाद दिया है। उनके साथ सत्य नारायण, अखिलेश वर्मा, मौर्या टेलर, विकास तिवारी, फौजदार तिवारी, राम कृपाल तिवारी, अवधेश तिवारी, मनोज मास्टर, उमंग मिश्रा, सुरेश तिवारी, राम बहोर, गुड़फु ओझा, महंगी नेता, मुरली, राजेन्द्र, पप्पू नेता सहित दर्जनों लोग साथ रहे।

अनुभव सिन्हा की सोशल ड्रामा भीड़ में नजर आएंगे राजकुमार राव

मुंबई, (वेब वार्ता)। फिल्म निर्माता अनुभव सिन्हा ने अपनी अगली फिल्म भीड़ की घोषणा की है, जो राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता

अभिनेता राजकुमार राव अभिनीत एक सोशल ड्रामा है। अनुभव ने कहा, भीड़ एक ऐसा टाईटिल है, जिसके बारे में मैंने जैसे ही टीम को बताया वो उसे बनाने के लिए तैयार हो गए। राजकुमार को मुख्य भूमिका के लिए लेने के बारे में बात करते हुए, निर्देशक ने कहा कि उनके लिए कास्टिंग महत्वपूर्ण थी। उन्होंने आगे कहा, राज एक बहुत ही दिलचस्प अभिनेता है। वह बहुत कम अभिनेताओं में से एक है जो एक कहानी में पारदद्दशता के साथ न्याय कर सकते हैं। मेरी उनके साथ काम करने की हमेशा से दिली तम्मना रही है और मैं इसके लिए उत्सुक हूं। सिन्हा के साथ काम करने के बारे में राजकुमार ने कहा कि एक ऐसे फिल्म निर्माता के साथ काम करना सम्मान और सौभाग्य की बात है, जिसकी आवाज इतनी स्पष्ट है। मैंने हमेशा खुद को उन कहानियों की ओर आकर्षित किया है जो बातचीत को गति देती हैं। एक मनोरंजनकर्ता के रूप में भी, मैं चाहता हूं कि मेरा काम लोगों को सोचने पर मजबूर करे। यह एक महत्वपूर्ण विषय है और किरदार के लिए मुझे अपने स्थिर क्षेत्र से परे एक कलाकार के रूप में खुद को आगे बढ़ाने की जरूरत है। मैं शूटिंग शुरू करने और यूनीवर्स में खुद को खोने का इंतजार नहीं कर सकता। भीड़ भूषण कुमार की टी–सीरीज और अनुभव सिन्हा की बनारस मीडियावर्क्स द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित है। भूषण कुमार ने कहा, अनुभव और मेरे बीच फिल्म तुम बिन के बाद से अच्छे संबंध हैं। और साथ में हमारी हर मुलाकात पहली से भी ज्यादा रोमांचक होती है। थप्पड़ एक ऐसी फिल्म है जिस पर मुझे गर्व है और मैं भीड़ के शुरू होने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता। यह अनुभव की गहरी उत्तेजक कहानियों में से एक है और मुझे फिर से उनके साथ हाथ मिलाने पर बहुत गर्व हो रहा है। राज एक बेहतरीन अभिनेता हैं और मैं इस तरह की फिल्म करने के लिए किसी और के बारे में नहीं सोच सकता। फिल्म की शूटिंग लखनऊ में होगी। इसके नवंबर में फ्लोर पर जाने की उम्मीद है क्योंकि यूनिट अगले कुछ हफ्तों तक अपना प्री–प्रोडक्शन जारी रखेगी।

नोरा फतेही और जैकलीन फर्नांडिस को ईडी का समन, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में होगी पूछताछ

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलिवुड ऐक्ट्रेस नोरा फतेही ईडी के दफ्तर पहुंची हैं। दरअसल नोरा को प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से समन भेजा गया था। नोरा को मनी लॉन्ड्रिंग केस में आज 14 अक्टूबर को ईडी के दफ्तर में हाजिर होने को कहा

गया था। खबर है कि इसी केस में जैकलीन फर्नांडिस को भी दोबारा ईडी की तरफ से समन भेजा गया है। समन मिलने के बाद वक्त पर नोरा ईडी के ऑफिस पहुंच चुकी हैं, जहां उनसे सुकेश चंद्र शेखर द्वारा 200 करोड़ रुपये के ठगी केस में अधिकारी पूछताछ करने वाले हैं। नोरा फतेही को मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट के तहत ईडी की ओर से समन भेजा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद सुकेश चंद्र शेखर द्वारा 200 करोड़ रुपये की ठगी मामले में नोरा फतेही को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा समन भेजा गया है। जैकलीन को 15 अक्टूबर को पूछताछ के लिए ईडी दफ्तर में बुलाया गया है। टाइम्स नाउ की रिपोर्ट के मुताबिक, ईडी की निगाहें कई लोगों पर हैं, जो इस केस में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट शामिल हैं। नोरा के अलावा ईडी ने जैकलीन फर्नांडिस को भी अब एक बार फिर से समन भेजा है। बता दें कि इससे पहले भी ईडी जैकलीन से इस मामले में पहले भी दो बार पूछताछ कर चुकी है। जैकलीन को शुक्रवार को ईडी, दिल्ली वाले दफ्तर में हाजिर होना है। रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि ईडी उन संभावनाओं की तलाश में है कि कहीं इलेक्शन कमिशन रिश्वत मामले में आरोपी सुकेश चंद्र शेखर ने ठगी वाले पैसों का निवेश विदेश में तो नहीं किया है। बता दें कि निर्वाचन आयोग रिश्वत मामले सहित 21 मामलों में आरोपी सुकेश चंद्रशेखर इस वक्त जेल की सलाखों के पीछे हैं। ईडी ने यह भी कहा है कि बॉलिवुड सिलेब्रिटीज इस केस में ऐक्टिव सदस्य हैं। इससे पहले पूछताछ में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट के तहत जैकलीन का बयान भी दर्ज किया जा चुका है। 23 अगस्त को ईडी ने जानकारी दी थी कि इस केस में चेन्नै में समंदर किनारे मौजूद एक आलीशान बंगलो को उन्होंने जब्त किया है और इसी के साथ 82.5 लाख रुपये कैश, 2 किलोग्राम सोना, 16 लग्जरी कार और कई महंगे सामान जब्त किए गए थे। यह केस सुकेश और अन्य लोगों द्वारा 200 करोड़ रुपए की ठगी, रंगदारी वसूली मामले में दिल्ली पुलिस के इकनॉमिक ऑफेंस विंग (ईओडब्लू) की एफआईआर पर बेस्ड है। कहा जा रहा है कि सुकेश ने अन्य लोगों की तरह नोरा फतेही को भी अपने जाल में फंसाने की साजिश रची थी।

आर्यन ड्रग्स केस पर बोलीं तनीषा मुखर्जी- यह पूरी तरह से हैरेसमेंट है

मुंबई, (वेब वार्ता)। आर्यन खान से जुड़े ड्रग्स केस में जो कुछ भी हो रहा है, उसे देख ऐक्ट्रेस तनीषा मुखर्जी बेहद दुखी हैं। आर्यन को 2 अक्टूबर को मुंबई से गोवा जा रही क्रूज पर एनसीबी द्वारा छापेमारी के बाद 3 अक्टूबर को गिरफ्तार लेकिन जिरह पूरी न हो पाने के कारण सुनवाई को 14 अक्टूबर तक के लिए टाल दिया गया। आज 12 बजे से आर्यन केस पर सुनवाई होगी। इस पूरे मामले में आर्यन खान पर जो बीत रही है, उसे देख तनीषा मुखर्जी

किया गया था। इसके बाद आर्यन को किला कोर्ट ने 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। तब से उनके वकील जमानत दिलवाने की कोशिश कर रहे हैं। 13 अक्टूबर को आर्यन की जमानत पर सुनवाई हुई, जिसमें वकील अमित देसाई ने उनकी पैरवी की। दुखी हैं। तनीषा का मानना है कि आर्यन को हैरेस किया जा रहा है और बॉलिवुड पर अटैक किया जा रहा है। बॉम्बे टाइम्स के साथ बातचीत में तनीषा मुखर्जी ने कहा, 'मुझे लगता है कि आर्यन खान के केस में यह वाकई हैरेसमेंट है। एक बच्चे को मीडिया ट्रायल पर रखा जा रहा है। यह असली जर्नलिजम नहीं है, बस सेंसेशनल बनाना है। या कह सकते हैं कि बॉलिवुड बैशिंग यानी बॉलिवुड पर अटैक है। दुर्भाग्य से, लोग हमारे स्टार्स के प्रति कठोर हो गए हैं। ऐसी बातें कह रहे हैं कि स्टार किड होने के ये फायदे और नुकसान हैं! सच में? जाहिर है कि उनके अंदर कोई दया नहीं है। यह देश हम सभी के लिए है और लोगों को सबूतों को देखते हुए अधिक समझदार होना चाहिए और सोचना चाहिए कि अगर मेरे बच्चे के साथ ऐसा हो रहा होता तो क्या होता? मुझे क्या करना होगा? क्या यही न्याय है?' बता दें कि सेशंस कोर्ट में 13 अक्टूबर को हुई सुनवाई में अडिशनल सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह की ओर से आर्यन पर 'इंटरनैशनल ड्रग्स तस्करी' के आरोप लगाए गए। लेकिन आर्यन के वकील अमित देसाई ने उन आरोपों को बेतुका बताया।

मोदी ने की मनमोहन के अच्छे स्वास्थ्य की कामना

नयी दिल्ली, (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार सुबह पूर्व प्रधानमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनमोहन सिंह के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की का इलाज कर रहे डॉक्टर से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री को बुखार और कमजोरी की शिकायत के बाद दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती

कामना की। श्री मोदी ने ट्वीट किया,"मैं डॉ मनमोहन सिंह जी के अच्छे स्वास्थ्य और शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।" इससे पहले केंद्रीय एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया आज सुबह नयी दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पहुंचे और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। पूर्व प्रधानमंत्री को स्वास्थ्य खराब होने के बाद बुधवार शाम को एम्स भर्ती कराया गया था। श्री मांडविया ने डॉ.सिंह कराया गया है। सूत्रों ने बताया कि डा.सिंह की हालत स्थिर है और डाक्टरों की एक टीम उनकी देख रेख कर रही है। डा. सिंह इस वर्ष अप्रैल में कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए थे और तब भी उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया था। पूर्व प्रधानमंत्री ने इस वर्ष चार मार्च और तीन अप्रैल को कोविड टीका लिया था। डॉ. सिंह फिलहाल राजस्थान से राज्यसभा सदस्य है। वह वर्ष 2004 से वर्ष 2014 तक प्रधानमंत्री रहे। वर्ष 2009 में एम्स में ही उनके हृदय का आपरेशन किया गया था।

तेलुगू वेब सीरीज राणा नायडू की शूटिंग के लिए तैयार हैं दग्गुबाती

मुंबई, (वेब वार्ता)। वेंकटेश और राणा दग्गुबाती के चाचा–भतीजे की जोड़ी नेटफ्लिक्स की आगामी तेलुगू वेब सीरीज राणा नायडू में एक साथ दिखाई देने के लिए तैयार है। दोनों सितारों के बहुत प्रशंसक और करण आयुष्मान द्वारा निर्देशित किया जाएगा, जो क्रमशः मिर्जापुर और द फैमिली मैन के लिए जाने जाते हैं। लोकोमोटिव ग्लोबल मीडिया के सुंदर आरोन द्वारा निर्मित, राणा नायडू की कहानी बॉलीवुड और मुंबई के अभिजात

हैं। राणा दग्गुबाती को एस.एस. राजामौली की सुपरहिट फिल्म, बाहुबलीः द बिगिनिंग में उनकी भूमिका के लिए राष्ट्रीय स्तर पर जाना जाता है। राणा नायडू की शूटिंग गुरुवार 14 अक्टूबर से शुरू हो गई है। सीरीज हिट अमेरिकी सीरीज रे डोनोवन का एक रूपांतरण है और इसे सुपन वर्मा वर्ग के लिए एक पेशेवर फिक्सर के जीवन के इर्द–गिर्द घूमती है। वेंकटेश दग्गुबाती ने राणा दग्गुबाती की प्रसिद्ध फिल्म कृष्णम वंदे जगद्गुरुम में एक विशेष भूमिका निभाई थी। खबर है कि राणा नायडू में दोनों ऐसे किरदार निभाएंगे जो एक–दूसरे के खिलाफ नजर आएंगे।

बेटी वामिका के साथ अनुष्का शर्मा की इस प्यारी तस्वीर को देख बोल पड़े रणवीर सिंह

मुंबई, (वेब वार्ता)। अनुष्का शर्मा ने अपनी बेटी की नई तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की, जिसे देखकर बॉलिवुड के कई सितारों ने कॉमेंट किया है। इस तस्वीर को देखकर रणवीर सिंह भी खुद को रोक नहीं पाए। अनुष्का शर्मा ने दुर्गा अष्टमी के मौके पर बेटी वामिका की नई तस्वीर शेयर की, जिसमें मां और बेटी दोनों का अंदाज फैन्स का दिल चुरा रहा है। इस तस्वीर में 8 महीने की वामिका का चेहरा मां की तरफ है और कैमरे पर उसका साइड फेस दिख रहा है। अनुष्का अपनी लाडली में खोई दिख रही हैं। अब इस तस्वीर पर फैन्स तो जमकर प्यार लुटाया ही, वाणी कपूर, मौनी रॉय, प्रियंका चोपड़ा, सुनील शेट्टी, जेनेलिया डिसूजा जैसे कई सितारों ने भी प्यार बरसाया। इन सबके अलावा रणवीर सिंह ने भी इस खूबसूरत तस्वीर पर प्यार बरसाया है। रणवीर ने अनुष्का और वामिका की इस तस्वीर पर रणवीर ने वैसा ही कॉमेंट किया है जैसा बच्चों को देखकर हमारे मुंह से अनायास निकला

करता है। रणवीर ने अनुष्का की इस तस्वीर पर लिखा है– ओह–ले। इसी के साथ उन्होंने ढेर सारी हार्ट इमोजी भी पोस्ट की है। बता दें कि बॉलिवुड में एंट्री के बाद अनुष्का और रणवीर का नाम एक–दूसरे से खूब जोड़ा गया। अनुष्का और रणवीर 'बैंड बाजा बारात', 'लेडी वर्सेज रिकी बहल' जैसी फिल्मों में साथ नजर आए थे। अनुष्का ने बेटी की इस तस्वीर को शेयर कर लिखा, 'हर दिन मुझे और ज्यादा बहादुर और साहसी बना रही है। ऐसी कामना है कि तुम्हें तुम्हारे अंदर देवी की शक्ति मिले मेरी छोटी वामिका। हैपी अष्टमी।'

किशोरी के साथ बलात्कार का आरोपी गिरफ्तार

बलिया (वेब वार्ता)। जिले के दोकटी थाना क्षेत्र की 16 वर्षीय एक किशोरी के साथ कथित बलात्कार के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी मनोज सिंह ने बश्हस्पतिवार को बताया कि दोकटी थाना क्षेत्र की किशोरी की फेसबुक के जरिये हरदोई जिले के सुधीर कुमार (31) से दोस्ती हुई। सुधीर ने दोस्ती प्रगाढ़ होने के बाद गत 25 अगस्त को किशोरी को हरदोई बुलाया तथा शादी का झांसा देकर उससे बलात्कार किया। सिंह ने बताया कि किशोरी की माँ की शिकायत पर उसकी गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बश्हस्पतिवार को किशोरी को सुधीर के साथ बैरिया बस स्टैंड से पकड़ा। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि किशोरी के बयान के आधार पर मामले में बलात्कार के आरोप तथा पॉक्सो एक्ट की सुसंगत धारा जोड़ी गई है।

मथुरा के तेलशोधक कारखाने के चारों ओर एक किमी की दूरी तक विस्फोटक सामग्री पर प्रतिबंध

मथुरा, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में आगरा–दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित भारतीय तेल निगम के कारखाने के चारों ओर एक किलोमीटर के दायरे में आने वाले क्षेत्र में जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल ने दीपावली एवं गोवर्धन पूजा जैसे त्यौहारों के मद्देनजर किसी भी प्रकार की विस्फोटक सामग्री तथा पटाखों आदि का उपयोग करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध तीन से पांच नवम्बर तक लागू रहेगा। जिला सूचना अधिकारी प्रशांत सुचारी ने बश्हस्पतिवार को जिलाधिकारी के हवाले से बताया कि दीपावली तथा गोवर्धन पूजा पर्वों पर लोग पटाखे फोड़ते हैं। यह पर्व तीन से पांच नवम्बर के मध्य मनाए जाएंगे। जनपद में इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन की मथुरा रिफाइनरी स्थित है। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मथुरा के सम्पूर्ण क्षेत्र (एलपीजी प्लाण्ट ओएमएस प्रथम व द्वितीय यूनिट एवं पेट्रोलियम टर्मिनल) के चारों ओर एक किमी की परिधि में त्यौहारों के अवसर पर पटाखों तथा अन्य विस्फोटक सामग्री का उपयोग किए जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सुचारी ने बताया कि निर्देशों का पालन न करने पर कठोर दण्ड का प्राविधान है।

महामारी के बाद भारत के लिए हरित निवेश पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्णः आईएमएफ

वाशिंगटन, (वेब वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने बुधवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड–19 महामारी से उबर रही है और ऐसे में देश के लिए सार्वजनिक निवेश पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है, खासकर हरित क्षेत्रों में। आईएमएफ के वित्तीय मामलों के विभाग के उप निदेशक पाओलो मौरो ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "पुनरुद्धार की ओर बढ़ने के साथ ही सार्वजनिक निवेश पर ध्यान केंद्रित करना भी महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से हरित निवेश पर, ताकि सुधार समावेशी और पर्यावरण के अनुकूल हो सके। उन्होंने कहा कि भारत का कर्ज लगभग 90 प्रतिशत के अनुपात (जीडीपी के मुकाबले) में है, और निवेशकों को यह संकेत देना महत्वपूर्ण है कि मध्यम अवधि में ऋण अनुपात में गिरावट आएगी। एक सवाल के जवाब में मौरो ने कहा कि महामारी की स्थिति में सुधार हो रहा है और हालात कुछ महीने पहले के मुकाबले बहुत अलग हैं। उन्होंने कहा कि सौभाग्य से संक्रमण के मामलों की संख्या घट रही है और टीकाकरण अधिक व्यापक हो रहा है।

अखिलेश यादव ने फूलन देवी की मां से की मुलाकात

कानपुर, (वेब वार्ता)। फूलन देवी उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव में एक प्रमुख चुनावी मुद्दे के रूप में उभर रही हैं। जहां निषाद पार्टी फूलन की विरासत और निषाद वोटों का दावा कर रही है, वहीं बिहार की विकासशील इंसान पार्टी ने घोषणा की है कि हर निषाद घर में फूलन की मूर्ति होनी चाहिए। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार शाम को जालौन जिले में फूलन की मां मूला देवी से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। यह पहली बार था जब वह फूलन के परिवार से मिले। अखिलेश अपनी समाजवादी विजय यात्रा के पहले चरण में हैं, जब उन्होंने मुला देवी से मिलने के लिए समय निकाला, जिन्होंने आने वाले चुनावों में उनकी सफलता की कामना की। परिवार को हरसंभव मदद का वादा करने के अलावा, उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जब उनकी सरकार बनेगी तो वह फूलन की हत्या की सीबीआई जांच की सिफारिश करेंगे। उल्लेखनीय है कि मुलायम सिंह यादव सरकार ने 1994 में फूलन देवी के खिलाफ मामले वापस ले लिए थे और बाद में, राजनीति में उनका प्रवेश सुनिश्चित किया था। 1996 में, फूलन देवी पूर्वी उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद बनीं और 1999 में फिर से चुनी गईं। 2001 में, उनकी दिल्ली स्थित आवास के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। फूलन देवी का जन्म 1963 में जालौन जिले के घुरा का पुरवा गांव में निषाद समुदाय में हुआ था। सपा की पिछड़ी जाति शाखा ने हाल ही में रायबरेली में उनकी प्रतिमा लगाने की कोशिश की, लेकिन अनुमति नहीं दी गई। वीआईपी नेताओं ने भी इसी तरह के प्रयास किए थे लेकिन उन्हें अनुमति देने से इनकार कर दिया गया था।

यूपी विधानसभा में डिप्टी स्पीकर का चुनाव

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा अपने उपाध्यक्ष का चुनाव करेगी जो नई विधानसभा के गठन से पहले पांच महीने से भी कम समय के लिए पद पर बने रहेंगे। राज्य विधानसभा का गठन 14 मार्च, 2017 को किया गया था और इसके पांच साल के कार्यकाल के अंत में नए उपाध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा।

भाजपा ने 18 अक्टूबर को सपा विधायक नितिन अग्रवाल को डिप्टी स्पीकर के लिए अपना उम्मीदवार बनाने का फैसला किया है, जब राज्य विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र आजादी के 75 साल के अवसर पर आयोजित किया जाएगा। वित्त और संसदीय मामलों के मंत्री सुरेश खन्ना ने इसकी पुष्टि की है कि अग्रवाल को पद के चुनाव के लिए पसंद किया गया है। परंपरा के अनुसार, उपाध्यक्ष को मुख्य विपक्षी दल के सदस्यों में से चुना जाता है। दिलचस्प बात यह है कि अग्रवाल समाजवादी पार्टी के विधायक हैं, जो 2018 में भाजपा में शामिल हो गए थे। अग्रवाल की अयोग्यता की मांग वाली समाजवादी पार्टी की याचिका को हाल ही में खारिज कर दिया गया था। उनके पिता पूर्व मंत्री नरेश अग्रवाल भी भाजपा नेता हैं। विपक्ष के नेता राम गोविंद चौधरी ने कहा, हमें विधानसभा सत्र के एजेंडे के बारे में पता नहीं है। व्यापार सलाहकार समिति की एक बैठक जाहिर तौर पर 17 अक्टूबर, 2021 को बुलाई जाएगी। परंपरा के अनुसार, उपाध्यक्ष को मुख्य विपक्ष पार्टी से चुना जाता है। चुनाव विपक्षी दलों के नेताओं के परामर्श से किया जाता है। अगर वे समाजवादी पार्टी के किसी सदस्य को उपाध्यक्ष के रूप में चुनना चाहते हैं, तो उन्होंने हमारे नेतश्त्व से परामर्श किया होगा। इसी की तर्ज पर नितिन अग्रवाल ने कहा, मुझे उपाध्यक्ष पद के लिए अपने संभावित चुनाव के बारे में कोई संकेत नहीं है। लेकिन अगर कोई जिम्मेदारी दी जाती है, तो मैं अपनी क्षमता के अनुसार कर्तव्यों का पालन करूंगा।

मथुरा में दिल्ली के अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, आठ गिरफ्तार

मथुरा, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में पुलिस ने दिल्ली के अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ कर उसके आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चार कारें, कलपुर्जे, एक तमंचा, दो कारतूस और एक चाकू भी मिला है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर ने बश्हस्पतिवार को बताया, "कोसीकलां पुलिस की टीम ने बुधवार की रात बठैन गेट क्षेत्र में मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर एक कार को रोका। कार में सवार दो आरोपियों को उनके कब्जे से तमंचा, कारतूस और एक चाकू मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया।''

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर सलीम कबाड़ी वाले के गोदाम से चालू हालत में चार कारें, इंजनयुक्त दो अधकटी कारें, 21 एसी, कम्प्रेशर, नौ साइलेंसर सहित विभिन्न कलपुर्जे भी बरामद हुए। गोदाम से ही उनके छह अन्य साथियों को भी गिरफ्तार किया गया।

ग्रोवर ने बताया " पूछताछ के दौरान ज्ञात हुआ कि इन सभी के खिलाफ दिल्ली में चालीस से अधिक मामले दर्ज हैं तथा इस नई वारदात में मथुरा में ही तीन नए मामले दर्ज किए गए हैं। गिरोह का मुखिया मनीष और इरफान वाहनों की चोरी करते थे और उन्हें कटवा कर उनके कलपुर्जे बेच देते थे।

एटा में मंदिर परिसर में पुजारी की गोली लगने से मौत

एटा (वेब वार्ता)। जनपद के थाना राजा का रामपुर क्षेत्र में मंदिर परिसर में रह रहे पुजारी की गोली लगने से मौत हो गयी। पुलिस ने बश्हस्पतिवार को बताया कि एटा के रामपुर क्षेत्र के कनेसर रोड पर स्थित एक शिव मंदिर में बुधवार की शाम 60 वर्षीय पुजारी फक्कड़ बाबा की संदिग्ध परिस्थितियों में सर में गोली लगने से मौत हो गयी। सूचना मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुँच कर घटना स्थल का निरीक्षण किया और घटना की जांच के निर्देश दिए है। पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाकर घटना स्थल की जांच करायी है। पुलिस का मानना हैं कि साधू ने गोली मार की आत्महत्या की है। क्षेत्राधिकारी अलीगंज राघवेंद्र सिंह राठौर ने बताया कि पुजारी के कमरे से एक तमंचा और एक सुसाइड नोट मिला है। पुलिस ने मश्तक के शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम हेतु भेजा है और आत्महत्या का मामला दर्ज किया है।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।